बड़े निवेशकों से व्यक्तिगत बैठक कर समस्याएं दूर करेंगे अफसर

लापरवाह और भ्रष्ट अफसरों की भी हो रही निगरानी

भूमि पूजन समारोह में एंकर कंपनियों की संख्या बढ़ाने पर जोर

लखनऊ। शासन ने प्रदेश में एंकर (बड़ी) कंपनियों के ज्यादा से ज्यादा धरातल पर उतारने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए एंकर निवेशकों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने को कहा गया है। औद्योगिक विकास विभाग ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। भूमि पूजन समारोह में एंकर कंपनियों की संख्या बढ़ाने पर खासा जोर है।

इन्वेस्ट यूपी की टीम को निवेशकों से अच्छे व्यवहार के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यालय से लेकर फील्ड स्तर तक के अधिकारियों को लक्ष्य दिए गए हैं। 34 सेक्टोरियल पॉलिसी के तहत एंकर इकाइयों के लिए एफडीआई निवेशकों से व्यक्तिगत बैठक करने को कहा गया है। लैंड बैंक के साथ भूमि पूजन समारोह के लिए भी लक्ष्य तय किया गया है। कामकाज में लापरवाह और मुख्यालय से लेकर जिलों में तैनात भ्रष्ट अधिकारियों की मॉनिटरिंग की जा रही है।

उपायुक्त उद्योग, उद्यमी मित्र और मुख्यालय के अधिकारियों से कहा गया है कि निवेशकों की आवश्यकताओं, चिंताओं और आकांक्षाओं को ध्यानपूर्वक समझें, ताकि उनकी सहायता की जा सके। इन्वेस्ट यूपी के सीईओ ने मातहतों से कहा है कि विश्वास की नींव बनाने के लिए प्रक्रियाओं और नीतियों के बारे में स्पष्ट, ईमानदार और समय पर निवेशकों को जानकारी दें। चुनौतियों की पहचान करना, विभागों के बीच समन्वय स्थापित करना और व्यावहारिक समाधान पर फोकस किया जा रहा है। इसके लिए सिंगापुर और थाईलैंड के मॉडल से सीख लेने के निर्देश दिए हैं।

इन देशों ने वैश्विक निवेश बढ़ाने के लिए निवेशकों की जरूरतों के साथ आंतरिक कामकाजी व्यवहार में बदलाव लाकर विश्वसनीयता बनाई है। इसका परिणाम बड़े निवेश की सफलता के रूप में उन्हें मिला है। बता दें, एक एंकर कंपनी की स्थापना से 200 से 500 छोटी इकाइयां खुद लग जाती हैं। यही वजह है कि इस पर खास फोकस किया जा रहा है। ब्यूरो